M.A. HINDI SEMESTER-III

COURSE CODE	Name of Courses		TEACHING SCHEME (HOURS)			CREDITS	EXAMINATION SCHEME			TOTAL MARKS	MIN. PASSING
			(TH)	Tutorial /Practical	Total		DURATION IN HOURS	MAX. MARKS			
								SEE	CIE		40%
MHI3T01	MANDATORY	हिन्दी भाषा	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI3T02		आधुनिक गद्य साहित्य	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI3T03		हिन्दी एकांकी	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI3T04		जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता	2	...	2	2	2	40	10	50	20
MHI3E05	ELECTIVE	साहित्य और सिनेमा	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI3E05		आदिवासी विमर्श									
MHI3E05		हिन्दी का लोकसाहित्य									
	RP	हिन्दी पत्रकारिता	2	4	6	4	2-6	80	20	100	40
		TOTAL	**20**	**•4**	**24**	**22**		**440**	**110**	**550**	**220**

*विद्यार्थियों को शिक्षक/मार्गदर्शक के निर्देशन में निर्धारित समय में परियोजना कार्य को सम्पन्न करना होगा।

M.A. HINDI SEMESTER-IV

COURSE CODE	Name of Courses		TEACHING SCHEME (HOURS)			CREDITS	EXAMINATION SCHEME			TOTAL MARKS	MIN. PASSING
			(TH)	Tutorial /Practical	Total		DURATION IN HOURS	MAX. MARKS			
								SEE	CIE		40%
MHI4T01	MANDATORY	भाषा विज्ञान	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI4T02		हिन्दी आलोचना दृष्टि और प्रवृत्तियां	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI4T03		जीवनी और आत्मकथा	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI4T04		अनुवाद अध्ययन	2		2	2	2	40	10	50	20
MHI4E05	ELECTIVE	समकालीन कथा साहित्य	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI4E05		समकालीन कविता									
MHI4E05		हिन्दी निबंध साहित्य									
	RP	अनुवाद परियोजना	2	8	10	6	2-6	80	20	100	40
		TOTAL	**20**	***8**	**28**	**24**		**440**	**110**	**550**	**220**

*विद्यार्थियों को शिक्षक/मार्गदर्शक के निर्देशन में निर्धारित समय में परियोजना कार्य को सम्पन्न करना होगा।

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर

कार्यक्रम- स्नातकोत्तर उपाधि

पाठ्यक्रम- एम ए हिन्दी साहित्य [CBCS]

सत्र : 2024 – २०२५

[राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार]

- **20 अंको का विभाजन निम्न पद्धति से किया जाएगा –**
- **असाइनमेंट-10**
  मौखिकी/प्रस्तुतीकरण- 10
- **सत्रांत परीक्षा 80 अंकों की होगी जिसका स्वरूप निम्न प्रकार से रहेगा-**

- **प्रश्नपत्र प्रारूप**

- **प्रश्न क्रमांक 1-**पहली इकाई से दो विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें से किन्ही एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। अंक -1×16=16
- **प्रश्न क्रमांक 2-**दूसरी इकाई से दो विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे।जिसमें से किन्ही एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। अंक -1×16=16
- **प्रश्न क्रमांक 3** – तीसरी इकाई से पूछा जाएगा। चार प्रश्न रहेंगे। किन्ही दो प्रश्न के उत्तर अपेक्षित है। अंक - 02×08 =16
- **प्रश्न क्रमांक 4-** चौथी इकाई से पूछा जाएगा। चार प्रश्न रहेंगे। किन्ही दो प्रश्न के उत्तर अपेक्षित है। अंक - 02×08 =16
- **प्रश्न क्रमांक 5-**प्रत्येक इकाई से एक - एक प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी चार प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। अंक - 4×4=16

26/06/2024

26/06/24

सेमेस्टर - III

NEW NEP

सेमेस्टर - III

अनिवार्य - 04 क्रेडिट

MHI3T01 – हिन्दी भाषा

MHI3T02 – आधुनिक गद्य साहित्य

MHI3T03 –हिन्दी एकांकी

MHI3T04 – जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता 02 क्रेडिट

वैकल्पिक – 04 क्रेडिट [विद्यार्थी द्वारा किसी एक का चयन]

MHI3E05 - साहित्य और सिनेमा

MHI3E05 – आदिवासी विमर्श

MHI3E05 – हिन्दी का लोकसाहित्य

अनिवार्य – हिन्दी पत्रकारिता

सेमेस्टर – IV

अनिवार्य- 04 क्रेडिट

MHI4T01 – भाषा विज्ञान

MHI4T02 – हिन्दी आलोचना दृष्टि ओर प्रवृत्तियाँ

MHI4T03 – जीवनी और आत्मकथा

MHI4T04 – अनुवाद अध्ययन (02 क्रेडिट)

वैकल्पिक – 04 क्रेडिट [विद्यार्थी द्वारा किसी एक का चयन]

MHI4E05 –समकालीन कथा साहित्य

MHI4E05 – समकालीन कविता

MHI4E05 – हिन्दी निबंध साहित्य

अनिवार्य –अनुवाद परियोजना

सेमेस्टर - III
अनिवार्य- 04 क्रेडिट

MHI3T01 – हिन्दी भाषा

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

- भाषा के इतिहास से परिचय कराना।
- भाषा की संरचना, बोली और प्रकृति की समझ विकसित करना।
- भाषा के व्याकरण सम्मत व्यवहार का परिचय कराना।
- भाषा के विविध रूपों से परिचित करना

इकाई –I

- हिन्दी भाषा – अर्थ, परिभाषा और अभिलक्षण
- हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओँ का वर्गीकरण

इकाई – II

- हिन्दी भाषा की प्रमुख बोलियाँ
- पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी भाषाएँ एवं उनकी बोलियाँ

इकाई – III

- हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास
- रूप रचना – लिंग, वचन और कारक
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया
- वाक्य रचना – पदक्रम और अन्विति

इकाई – IV

- हिन्दी भाषा के विविध रूप– मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, बोली भाषा, संपर्क भाषा
- देवनागरी लिपि का विकास

- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं मानकीकरण

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ-

1- हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी
2- हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
3- हिन्दी भाषा का विकास –धीरेन्द्र वर्मा
4- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास- उदय नारायण तिवारी
5- हिन्दी भाषा का उद्भव, विकास और रूप –डॉ. हरदेव बाहरी
6- हिन्दी ओर भारतीय भाषाएँ–भोलानाथ तिवारी
7- पुरानी हिन्दी –चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
8- हिन्दी कीउपभाषाएं ओर ध्वनियाँ–रामचंद्र मिश्र
9- भारतीय आर्य भाषा ओर हिन्दी – सुनीतिकुमार चटर्जी
10- नागरी लिपि –गौरीशंकर हिराचंद ओझा
11- भारतीय लिपियों की कहानी –गुणाकर मुले
12- प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे
13- राजभाषा हिन्दी – कैलाशचंद्र भाटिया

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- भाषा के इतिहास से परिचय होगा.
- भाषा की संरचना, बोली और प्रकृति की समझ विकसित होगी।
- भाषा के व्याकरण सम्मत व्यवहार का परिचय मिलेगा।
- भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त होगी.

क्रेडिट – 04

पाठ्यक्रम के उद्देश्य [COURSE OBJECTIVE]

१. हिन्दी गद्य साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचय कराना।
२. उपन्यास विधा के माध्यम से सामाजिक चेतना निर्माण करना.
३. गद्य साहित्य की कहानियों के माध्यम से विधा की जानकारी देना.
४. हिन्दी साहित्य की अन्य गद्य विधाओ से परिचय कराना.

इकाई I –

- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का उद्भव और विकास
- हिन्दी गद्य साहित्य की प्रवृत्तियां

इकाई II –उपन्यास

- गोदान – प्रेमचंद

इकाई III – कहानियां

- अखबार में नाम – यशपाल
- सिलिया–सुशीला टाकभौरे
- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई IV- हिन्दी की अन्य गद्य विधाएं

- गिल्लू(रेखाचित्र) – महादेवी वर्मा
- बयालीस के ज्वार की उन लहरों में (रिपोर्ताज)– कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
- नए संसार के अग्रदूत (संस्मरण) – भीष्म साहनी
- मानव सभ्यता (निबंध) –पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

पाठ्यक्रम का परिणाम: [COURSE OUTCOME]

१. हिन्दी गद्य साहित्य की प्रवृत्तियों की जानकारी मिलेगी.
२. उपन्यास विधा के माध्यम से सामाजिक चेतना निर्माण होगी.

३. गद्य साहित्य की कहानियों के माध्यम से विधा की जानकारी प्राप्त होगी.
४. हिन्दी साहित्य की अन्य गद्य विधाओ का परिचय मिलेगा.

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ-

1. आधुनिक गद्य साहित्य – प्रदीप दूबे
2. हिन्दीका गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
3. गोदान – प्रेमचंद
4. मेरा परिवार- महादेवी वर्मा
5. सलाम कहानी संग्रह – ओमप्रकाश वाल्मीकि

MHI3T03 –हिन्दी एकांकी

क्रेडिट – 04

पाठ्यक्रम के उद्देश्य [COURSE OBJECTIVE]

१. हिन्दी एकांकी की प्रवृत्तियों से परिचय कराना।
२. एकांकी साहित्य में निहित युगबोध को समझना।
३. रचनाकारों के भाषा वैशिष्ट्य का अध्ययन करना।
४. एकांकी के पात्रो की सहायता से भावनात्मक एवं बौद्धिक सम्पदा विकसित करना.

इकाई I –

- आधुनिक हिन्दी एकांकी साहित्य का उद्भव और विकास
- अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, प्रकार और विशेषताएँ

इकाई II –

- मकड़ी का जाला – जगदीशचन्द्र माथुर

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- महाभारत की एक साँझ - भारत भूषण अग्रवाल

इकाई III –

- आवाज का नीलाम – डॉ. धर्मवीर भारती
- राखी का मूल्य – हरिकृष्ण प्रेमी
- सीमा रेखा – विष्णु प्रभाकर

इकाई IV-

- कागज़ी बुर्ज – मीरा कान्त
- गदर ख़त्म होइ गया – लक्ष्मीनारायण लाल
- बहु की विदा – विनोद रस्तोगी

पाठ्यक्रम का परिणाम: [COURSE OUTCOME]

१. हिन्दी एकांकी की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त होगी.
२. एकांकी साहित्य में निहित युगबोध को समझ निर्माण होगी।
३. रचनाकारों के भाषा वैशिष्ट्य का अध्ययन करेंगे।
४. एकांकी के पात्रो की सहायता से भावनात्मक एवं बौद्धिक सम्पदा विकसित होगी.

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ-

आधुनिक एकांकी संग्रह – संपादक - सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा

श्रेष्ठ हिन्दी एकांकी – संपादक डॉ. विजयपाल सिंह

हिन्दी एकांकी – चन्द्रगुप्त विद्यालंकार

हिन्दी एकांकी – सिद्धानाथ कुमार

हिन्दी एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेंद्र

MHI3T04 जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता

उद्देश्य

- जनसंचार के माध्यमों की जानकारी देना तथा जनसंचार की प्रकृति और प्रणाली को समझाना।
- विद्यार्थी इस प्रश्नपत्र के माध्यम से जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत हो सकेंगे।
- सूचना प्रौद्योगिकी के तकनीकी पक्षों, भाषिक पक्षों को समझ सकेंगे।
- हिन्दी माध्यमों की समझ से रोजगार की दृष्टि के अच्छे अवसर प्राप्त कराना।

इकाई–I

जनसंचार–अवधारणा, परिभाषा, स्वरूप, जनसंचार माध्यम के विविध रूप
विज्ञापन का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप,विज्ञापन के प्रकार

इकाई–II

हिन्दी पत्रकारिता उद्भव और विकास

समाचार लेखन : तत्व, स्त्रोत

समाचार संरचना

फीचर लेखन

संपादन कला

विज्ञापन का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

विज्ञापन के प्रकार

विज्ञापन की विशेषताएँ

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थियों को विषय की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
- विद्यार्थियों में सम्प्रेषण कौशल की क्षमता विकसित होगी।
- उनमें आलोचनात्मक दृष्टिकोण का निर्माण होगा तथा संचार तकनीक का बोध होगा।
- उनमें व्यावसायिक प्रवृत्ति बढ़ेगी, रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। तकनीकी क्षमता में वृद्धि होगी। शोध वृत्ति का विकास होगा।
- उनमें समूह भावना, सामाजिक जागरूकता, मानवीय मूल्यों की परख तथा तार्किक क्षमता की वृद्धि होगी। नेतृत्व क्षमता का विकास होगा।

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम - वेदप्रताप वैदिक
2. मीडिया लेखन - सुमित मोहन
3. भारत में संचार और जनसंचार - डॉ.जेवी.विला निलम,अनुवादक डॉ. शशिकांत शुक्ल
4. समाचार संकलन और लेखन - डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
5. कम्प्यूटर एक परिचय - सं. संतोष चौबे
6. पटकथा लेखन - मनोहरश्याम जोशी
7. हिंदी पत्रकारिता - कृष्णबिहारी मिश्र
8. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं प्रयोग - डॉ. माधव सोनटक्के
9. मीडिया हूँ मैं - जयप्रकाश त्रिपाठी
10. जनसंचार और पत्रकारिता : विविध आयाम – डॉ ओमप्रकाश शर्मा

वैकल्पिक – 04 क्रेडिट [विद्यार्थी द्वारा किसी एक का चयन]

MHI3E05 साहित्य और सिनेमा

उद्देश्य

- साहित्य को सिनेमा के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना है।
- साहित्यकार और फिल्म की निर्माण प्रक्रिया के अंतर को समझाना।
- रोजगार के अवसर की दृष्टि से इसे एक उद्योग के रूप में महत्त्व प्रतिपादित कराना।
- उनमें समूह-भावना, समस्या-समाधान वृत्ति का विकास कराना।

इकाई–I

साहित्य और सिनेमा का अंत:संबंध
साहित्यिक रचना सिनेमा निर्माण की प्रक्रिया
हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा
समकालीन सिनेमा

इकाई–II

माध्यम रूपांतरण : प्रक्रिया और प्रविधि
सैद्धांतिक पहलु
तकनीकी

माध्यम रूपांतरण की चुनौतियाँ

इकाई–III

साहित्यिक कृतियों (कहानियों) पर बनी फ़िल्में

तीसरी कसम,उर्फ़ मारे गये गुलफ़ाम (कहानी) - फणीश्वरनाथ रेणु- तीसरी कसम (फिल्म) - बासु भट्टाचार्य

इकाई–III

साहित्यिक कृतियों (उपन्यासों) पर बनी फ़िल्में

गुनाहों का देवता (उपन्यास)-धर्मवीर भारती- गुनाहों का देवता (फिल्म)-देवी शर्मा

काली आंधी (उपन्यास) कमलेश्वर–आंधी (फिल्म)-गुलजार

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थियों में विषय की गहन समझ विकसित होगी।
- उनमें सम्प्रेषण क्षमता का विकास होगा।
- तार्किक तथा आलोचनात्मक दृष्टिकोण निर्मित होगा।
- समूह-भावना, समस्या-समाधान वृत्ति का विकास होगा। रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
- सामाजिक जागरूकता, मानवीय मूल्य, शोधवृत्ति तथा नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। संचार तकनीक का बोध होगा।

संदर्भ ग्रंथ –

1) सिनेमा के सौ बरस	सं. मृत्युंजय (शिल्पायन)
2) सिनेमा का समाजशास्त्र	जबरीमल पारख
3) हिंदी सिनेमा का सच	शंभुनाथ
4) हिंदी साहित्य और सिनेमा	विवेक दुबे
5) सिनेमा-नया सिनेमा	ब्रजेश्वर मदान
6) सिनेमा का जादुई सफर	प्रताप सिंह
7) सिनेमा की सोच	ब्रहमात्मज अजय
8) सिनेमाः समकालीन सिनेमा	ब्रहमात्मज अजय
9) सिनेमाई भाषा और हिंदी संवेदना का विश्लेषण	किशोर वासवानी
10) सिनेमा और साहित्य	हरिशकुमार
11) फिल्म पत्रकारिता	विनोद तिवारी
12) सिनेमा समाज साहित्य	हूबनाथ

MHI3E05 आदिवासी विमर्श

उद्देश्य

- आदिवासी विमर्श की अवधारणा,विशेषताए तथा कला पक्ष से परिचित कराना.
- आदिवासी विमर्श की उपन्यास विधा से परिचित कराना.
- आदिवासी कहानी तथा कहानीकार का परिचय देना.
- आदिवासी विमर्श की चेतना को कविता के माध्यम से समझाना.

इकाई – I

आदिवासी विमर्श : अवधारणा , स्वरुप , विकास एवं पृष्ठभूमि
आदिवासी विमर्श की चिंतन की परंपरा , विशेषताएँ
आदिवासी विमर्श का कला पक्ष

इकाई – II **उपन्यास**

जंगल जहाँ शुरू होता है – लेखक- संजीव

इकाई– III **कहानी**

मायाजाल – पद्मश्री भागवत मुर्मू ठाकुर
उस दिन रास्ते में – रामदयाल मुंडा
आँचल का टुकड़ा – रोज केरकट्टा

जंगल की ललकार – वोल्टेर भेंगरा

इकाई– IV कविता

चुटका सोरेन से – निर्मल पुतुल

अघोषित उल्गुलान- अनुज लुगुन

सुबह के इन्तेजार में – हरिराम मीणा

कलम को तीर होने दो – ग्रेस कुजूर

शैक्षिक परिणाम :-

- आदिवासी विमर्श की अवधारणा,विशेषताए तथा कला पक्ष से परिचित होगे.
- आदिवासी विमर्श की उपन्यास विधा से परिचित होगे .
- आदिवासी कहानी तथा कहानीकार का परिचय प्राप्त कर सकेंगे.
- आदिवासी विमर्श की चेतना को कविता के माध्यम से समझ सकेंगे.

संदर्भ ग्रंथ –

१. आदिवासी स्वर एवं नयी शताब्दी – सं. रमणीक गुप्ता
२. आदिवासी साहित्य यात्रा – सं. रमणीक गुप्ता
३. आदिवासी कौम – सं. रमणीक गुप्ता
४. आदिवासी लोक अस्मिता खंड -१ – सं. रमणीक गुप्ता
५. जनजातीय मिथक: उड़िया – डॉ. वेरियन एल्विन – अनुवादक निरंजन महावार
६. आदिवासी स्वर: सामाजिक आर्थिक जीवन – सं. कुमार चौहान, श्रीमती रेनू चौहान
७. आदिवासी स्वर : संस्कार और प्रथाएं – सं. हरिनारायण दत्त, श्रीमती जसप्रीत बाजवा
८. आदिवासी स्वर : वाचिक परंपरा व साहित्य – सं. वी.एस. चटर्जी, जयशंकर उपाध्याय
९. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी – संपादक रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन
१०. जंगल जहाँ शुरू होता है – लेखक- संजीव

MHI3E05 हिंदी का लोक साहित्य

उद्देश्य

- लोक साहित्य की अवधारणा , स्वरुप और विशेषताओ का परिचय कराना ।
- लोक साहित्य के क्षेत्र की जानकारी देना.
- लोक साहित्य की परंपरा और समस्याओ से परिचय कराना .
- लोकसाहित्य के विविध रूपों की जानकारी देना.

इकाई – I

लोक साहित्य की अवधारणा

स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई – II

लोक साहित्य के क्षेत्र और रूप

लोक साहित्य के भेद

इकाई– III

लोक साहित्य अध्ययन के संप्रदाय

लोक साहित्य संकलन की परंपरा, प्रासंगिकता और समस्याएँ

इकाई– IV

लोकगीत परंपरा और विकास

लोककथा

लोकनाट्य

लोकोक्ति साहित्य

शैक्षिक परिणाम :-

- लोक साहित्य की अवधारणा , स्वरुप और विशेषताओ का परिचय होगा ।
- लोक साहित्य के क्षेत्र की जानकारी मिलेगी.
- लोक साहित्य की परंपरा और समस्याओ से अवगत होगे .
- लोकसाहित्य के विविध रूपों की जानकारी मिलेगी.

संदर्भ ग्रंथ –

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र
2. भारतीय लोक साहित्य – श्याम परमार
3. ग्राम साहित्य – रामनरेश त्रिपाठी
4. मालवी लोकगीत – श्याम परमार
5. लोक साहित्याचे अंत:प्रवाह – प्रभाकर मांडे
6. कथा संस्कृति – कमलेश्वर
7. राजस्थानी लोकोक्तियाँ – कन्हैयालाल सहल
8. ब्रज लोकसाहित्य का अध्ययन – डॉ. सत्येंद्र

अनिवार्य – हिन्दी पत्रकारिता (परियोजना – स्थानीय समाचार पत्रों की जानकारी, किसी एक समाचार पत्र से भेंट, संपादक तथा पत्रकार का साक्षात्कार, उसकी कार्यशैली, समाचार पत्र निर्माण)

सेमेस्टर – IV

अनिवार्य- 04 क्रेडिट

MHI4T01 भाषा विज्ञान

उद्देश्य

- विद्यार्थियों में भाषायी समझ विकसित कराना।
- विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की प्रकृति, संरचना, प्रवृत्ति से अवगत कराना।
- भाषा विज्ञान के विविध पक्षों का बोध कराना।
- भाषा संरचना के नियमों और सिद्धांतों की समझ विकसित कराना।

इकाई – I

भाषा की परिभाषा, लक्षण

भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार

भाषा विज्ञान स्वरूप और व्याप्ति

भाषा विज्ञान की विभिन्न अध्ययन पद्धतियाँ

इकाई – II

स्वन विज्ञान – वाग्वयव और उसके कार्य, स्वन की अवधारणा, स्वन का वर्गीकरण

स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद

इकाई – III

रूप विज्ञान – रूप प्रक्रिया का स्वरुप और शाखाएँ

रूपिम की अवधारणा, रूपिम के भेद, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिदानवाद

वाक्य विज्ञान – वाक्य की अवधारणा, तत्त्व, भेद, वाक्य के अंग, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई – IV

अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध,

पर्ययता, विलोमता और अनेकार्थता, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थियों में भाषायी समझ विकसित होगी ।
- विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की प्रकृति, संरचना, प्रवृत्ति से अवगत होंगे।
- भाषा विज्ञान के विविध पक्षों का बोध होगा।
- भाषा संरचना के नियमों और सिद्धांतों की समझ विकसित होगी.

संदर्भ ग्रंथ –

1. सामान्य भाषा विज्ञान –बाबूराम सक्सेना
2. आधुनिक भाषा विज्ञान –भोलानाथ तिवारी
3. भाषा और भाषिकी–देवीशंकर द्विवेदी
4. भाषा विज्ञान –भोलानाथ तिवारी
5. भाषा का विकास –धीरेन्द्र वर्मा
6. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी
7. भाषा विज्ञान –रामकिशोर शर्मा
8. हिंदी भाषा का इतिहास –धीरेंद्र वर्मा
9. भाषा शास्त्र की रूपरेखा –उदय नारायण तिवारी
10. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ अम्बादास देशमुख
11. भाषा विज्ञान के सिद्धांत विवेचन –डॉ ओमप्रकाश शर्मा

MHI4T02 हिंदी आलोचना दृष्टि और प्रवृत्तियां

उद्देश्य

- हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास से परिचित कराना.
- आलोचना की दृष्टि का निर्माण करना
- हिन्दी के प्रमुख आलोचकों के आलोचना साहित्य से परिचित कराना.
- चयनित रचनाकारो के आलोचना साहित्य की जानकारी देना.

इकाई – I

हिंदी आलोचना – अर्थ : स्वरूप, पृष्ठभूमि
हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास

इकाई – II

आलोचना की दृष्टियाँ – मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय, सौंदर्यशास्त्रीय, तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक
विमर्शात्मक दृष्टिकोण – दलित स्त्री और आदिवासी

इकाई – III

प्रमुख आलोचक –
रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी,
नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नगेंद्र, नामवर सिंह

इकाई – IV

प्रमुख रचनाकार आलोचक –

निराला, विजयदेव नारायण साही,

मुक्तिबोध, अशोक वाजपेयी, रमेशचंद्र शाह, अरुण कमल

पाठ्यक्रम परिणाम :-

- हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास से परिचित होंगे .
- आलोचना की दृष्टि का निर्माण होगा.
- हिन्दी के प्रमुख आलोचकों के आलोचना साहित्य से परिचित होंगे .
- चयनित रचनाकारो के आलोचना साहित्य की जानकारी मिलेगी.

संदर्भ ग्रंथ –

1. साहित्यालोचन – श्यामसुंदर दास
2. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह
3. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा
4. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश
5. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह
6. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
7. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
8. हिंदी आलोचना : बीसवी सदी – निर्मला जैन
9. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
10. आलोचना और आलोचना – बच्चन सिंह
11. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
12. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ – खंडेलवाल, गुप्त
13. परंपरा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा
14. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – उदयभानु सिंह, हरभजन सिंह, रविंद्रनाथ श्रीवास्तव

MHI4T03 जीवनी और आत्मकथा

उद्देश्य

- विद्यार्थी में जीवनी और आत्मकथा के अध्ययन द्वारा लेखन कला का विकास करना।
- विद्यार्थी को जीवनी और आत्मकथा के सामान्य तत्वों से परिचित कराना।
- विद्यार्थी में जीवनी और आत्मकथा तत्वों के आधार पर विवेचन-विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- विद्यार्थी को जीवनी और आत्मकथा की संरचना और शिल्प का परिचय कराना।

इकाई – I

जीवनी उद्भव और विकास

अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई – II

आत्मकथा उद्भव और विकास

अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई – III

प्रमुख जीवनीकार

शिवरानी देवी – प्रेमचंद घर में

विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा

इकाई – IV

प्रमुख आत्मकथाकार

तुलसीराम – मुर्दहिया

हरिवंशराय बच्चन – क्या भूलूँ क्या याद करूँ

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थी में जीवनी और आत्मकथा के अध्ययन द्वारा लेखन कला का विकास होगा ।
- विद्यार्थी को जीवनी और आत्मकथा के सामान्य तत्वों से परिचित होंगे ।
- विद्यार्थी में जीवनी और आत्मकथा तत्वों के आधार पर विवेचन-विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी ।
- विद्यार्थी को जीवनी और आत्मकथा की संरचना और शिल्प का परिचय मिलेगा.

संदर्भ ग्रंथ –

1. आत्मकथा की संस्कृति – पंकज चतुर्वेदी
2. साहित्यिक विधाएँ पुनर्विचार – डॉ. हरिमोहन
3. प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी
4. क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन
5. आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
6. मुर्दहिया – तुलसीराम
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास- नगेन्द्र
8. विष्णु प्रभाकर– डॉ. विश्वासनाथ मिश्र
9. आवारा मसीहा जीवनी के निकष पर- माया मालिक
10. हिन्दी आत्मकथाएं सिद्धांत,स्वरुप एवं विश्लेषण- डॉ.विनीता अग्रवाल
11. महिला कथाकारों की आत्मकथाओं का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ.रेणु बाली
12. बच्चन रचनावली- राजकमल प्रकाशन,दिल्ली

MHI4T04 अनुवाद अध्ययन

उद्देश्य

- विद्यार्थी को अनुवाद के इतिहास से अवगत कराना.
- विद्यार्थी को अनुवादक के गुण, विशेषताओ से परिचित कराना .

इकाई – I

अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, अनुवाद की परंपरा,
स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व और विशेषताएँ

इकाई – II

अनुवाद के उपकरण, अनुवाद पुनरीक्षण, मूल्यांकन,
अनुवादक के गुण, अनुवाद की समस्याएँ और समाधान

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थी को अनुवाद के इतिहास से अवगत होगे .
- विद्यार्थी को अनुवादक के गुण, विशेषताओ से परिचित होगे .

संदर्भ ग्रंथ –

अनुवाद: भाषाएँ समस्याएँ – विश्वनाथ ऐय्यर

अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग – माधव सोनटक्के

अनुवाद क्या है – राजुरकर एवं बोरा
अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग – गोपीनाथन . जी
अनुवाद विज्ञानं की भूमिका – गोस्वामी , कृष्णकुमार
अनुवाद साधना – पूरनचंद टंडन

वैकल्पिक – 04 क्रेडिट [विद्यार्थी द्वारा किसी एक का चयन]

MHI4E05 -- समकालीन कथा साहित्य

उद्देश्य

- विद्यार्थी समकालीन कहानी के स्वरुप एवं महत्त्व को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी को समकालीन कहानी से परिचित कराना।
- विद्यार्थी को समकालीन कहानी की परंपरा से परिचय कराना।
- विद्यार्थी समकालीन उपन्यासों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – I

समकालीन कहानी: स्वरुप एवं महत्त्व
समकालीनता की विशेषताएँ
समकालीन कहानी आन्दोलन

इकाई – II

राजेंद्र यादव – जहाँ लक्ष्मी कैद है
निर्मल वर्मा – कव्वे ओर कालापानी
ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम
मैत्रेय पुष्प – छुटकारा
उदयप्रकाश – तिरिछ

इकाई – III

मन्नू भंडारी – महाभोज

इकाई – IV

कमलेश्वर – कितने पाकिस्तान

ममता कलियाँ – दौड़

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थी समकालीन कहानी के स्वरुप एवं महत्त्व को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी को समकालीन कहानी से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी को समकालीन कहानी की परंपरा से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी समकालीन उपन्यासों से परिचित होगे।

संदर्भ ग्रंथ –

१. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास विविध प्रयोग – डॉ. कुसुम शर्मा

२. साठोत्तरी उपन्यास – डॉ. पारुकांत देसाई

३. हिन्दी उपन्यास शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह

४. हिन्दी उपन्यास सामाजिक चेतना – डॉ. कुंवर पालसिंह

५. हिन्दी उपन्यास की दिशाएं – वेदप्रकाश अमिताभ

६. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

७. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर

८. समकालीन हिन्दी कहानी – पुष्पपाल सिंह

९. हिन्दी कहानी : पहचान और परख

१०. उपन्यास का शिल्प – डॉ. गोपाल राय

MHI4E05 – समकालीन कविता

उद्देश्य

- विद्यार्थी समकालीन कविता के स्वरुप एवं महत्त्व को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी को समकालीन कविता से परिचित कराना।
- विद्यार्थी को समकालीन कविता की परंपरा से परिचय कराना।
- विद्यार्थी समकालीन कविता के आन्दोलन से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – I

समकालीन कविता : स्वरुप एवं महत्त्व
समकालीनता कविता की विशेषताएँ
समकालीन काव्यान्दोलन

इकाई – II

रघुवीर सहाय – आत्महत्या के विरुद्ध
बड़े देशों की राजनीति
मुझे कुछ और कहना था

कुंवर नारायण – वसंत की लहर
भुतहा घर
शतरंज

धूमिल – पटकथा
मोचीराम

इकाई – III

केदारनाथ सिंह – बाघ
कुदाल
अरुण कमल – नए इलाके में
हमारे युग का नायक
रमेशचंद्र शाह – आपातकाल
मुनीम की चिंता

इकाई – IV

लीलाधर जगूड़ी – आम आदमी १९७३
इतिहास से भी पहले
राजेश जोशी – प्रजापति
मारे जायेंगे
अशोक वाजपेयी – दिवंगत माँ के नाम पत्र
पूर्वजो की अस्थियों में

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थी समकालीन कविता के स्वरुप एवं महत्त्व को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी को समकालीन कविता से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी को समकालीन कविता की परंपरा से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी समकालीन कविता के आन्दोलन से परिचित होगे।

संदर्भ ग्रंथ –

१. नई कविता नए कवि - विश्वम्भर मानव
२. समकालीन कविता – विश्वनाथ तिवारी
३. समकालीन कविता – डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र
४. आधुनिक हिन्दी काव्यधारा - डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र
५. कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
६. समकालीन कविता का बीजगणित – कुमार कृष्ण
७. रघुवीर सहाय – सं विष्णुनागर, असद गैदी
८. रघुवीर सहाय का कवि कर्म – सुरेश शर्मा
९. समकालीन कविता का व्याकरण – परमानन्द श्रीवास्तव
१०. साठोत्तरी हिन्दी कविता की परिवर्तित दिशाए – विजय कुमार
११. नई कविता की चेतना – डॉ. जगदीश कुमार
१२. अनुभव के आकाश में चाँद – लीलाधर जगूड़ी
१३.रात अब भी मौजूद है - लीलाधर जगूड़ी
१४.नए इलाके में - अरुण कमल
१५. समकालीन कविता का समीकरण – डॉ. प्रमोद शर्मा

MHI4E05 – हिन्दी निबंध साहित्य

उद्देश्य

- विद्यार्थी हिन्दी निबंध के उद्भव और विकास को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी को निबन्ध से परिचित कराना।
- विद्यार्थी को निबंध की परंपरा से परिचय कराना।
- विद्यार्थी निबंध के शैली से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – I

हिन्दी निबंध परिभाषा, स्वरुप एवं प्रकार
हिन्दी निबंध तत्त्व एवं शैलियाँ
हिन्दी निबंध उद्भव ओर विकास

इकाई – II

विद्यानिवास मिश्र – आँगन का पंछी
रामवृक्ष बेनीपुरी – गेंहू और गुलाब

इकाई – III

रामधारी सिंह दिनकर – हिम्मत ओर जिंदगी
पार्यावरण और हम – डॉ. राजीव गर्ग

इकाई – IV

आ. रामचंद्र शुक्ल – क्रोध
नामवर सिंह - गपशप
हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थी हिन्दी निबंध के उद्भव और विकास को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी को निबन्ध से परिचित होगे।
- विद्यार्थी को निबंध की परंपरा से परिचय होगे।
- विद्यार्थी निबंध के शैली से परिचित होंगे।

संदर्भ ग्रंथ –

१. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
३. हजारीप्रसाद द्विवेदी व्यक्तित्व एवं साहित्य – सं. रामचंद्र शुक्ल
४. भारतेंदु युग – डॉ. रामविलास शर्मा
५. हिन्दी गद्य मीमांसा – रमाकांत त्रिपाठी
६. हिन्दी गद्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी
७. प्रताप नारायण ग्रंथावली – सं. विजयशंकर मल्ल
८. चिंतामणि भाग १,२ – आ. रामचंद्र शुक्ल

अनिवार्य - अनुवाद परियोजना (अन्य भाषा की पुस्तक का हिन्दी में अनुवाद)